खबर संक्षेप

कमिश्नर एडीजीपी एवं कलेक्टर ने किया नुक्कड़ नाटक

शहडोल। कमिश्नर बी.एस. जामोद, एडीजीपी डी.सी.सागर, कलेक्टर अनूपपुर आशीष वशिष्ठ ने अनूपपुर जिले के जैतहरी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत छाता पटपर में ग्रामीणों को लागू हुए तीन नए कानून की जानकारी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेन्द्र पवार,अपर कलेक्टर अनूपपुर अमन वैष्णव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनूपपुर तन्मय वशिष्ठ शर्मा, संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश ने भी नुक्कड़ नाटक में अभिनय कर ग्रामीणों को लागू हुए नए कानूनों के बारे में जानकारी दी।

कमिश्नर, एडीजीपी एवं कलेक्टर ने कृषि यंत्रों का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर बी.एस.जामोद, एडीजीपी डी.सी.सागर एवं कलेक्टर तरुण भटनागर ने आज कृषि अभियांत्रिकी परिसर शहडोल में कृषि यंत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान कमिश्नर ने कृषि अभियांत्रिकी परिसर में रखे कृषि यंत्रों की जानकारी ली। मौके पर उपस्थित संयुक्त संचालक कृषि जेएस पेन्द्राम ने कमिश्नर को कृषि यंत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक कृषि को निर्देश दिए की वह किसानो को कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी दें,तथा किसानों को कृषि यंत्रों के संचालन हेतु प्रशिक्षण भी कराएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की किसानों को कृषि से जुड़े किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, उप संचालक कृषि आरपी झारिया सहित अन्य कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैडम का मन रखने रामदीन के अतिक्रमण चला बुलडोजर

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर में भूमि अतिक्रमण का मामला कार्यवाही के बाद अब थमता नजर आ रहा है। खसरा क्रमांक 646/1 अंश रकबा 0.430 हेक्टयर 6 वर्षों से नगरपरिषद के नाम आवंटित है। अब जब नगरपरिषद को भूमि की आवश्यकता पड़ी तो, पता चला वहां अतिक्रमणकारियों की लम्बी सूची है और जगह खाली नहीं है। इस पर नगरपरिषद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला शुक्ला ने अतिक्रमण हटाने के लिए तीन दिवस का समय दिया था और धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। एसडीएम को दिए पत्र के बाद प्रशासन जागा और बुलडोजर लेकर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्यवाही के लिए पहुंच गया, हालाकि यह अलग बात है कि इस पूरे अतिक्रमण में गाज सिर्फ रामदीन पर गिरी। जनचर्चा है कि अगर अध्यक्ष ने पूरे जयसिंहनगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हुए अतिक्रमण के खिलाफ पत्र लिखा होता तो, आज परिषद की स्थिति कुछ और होती। मेडम का मन रखने के लिए प्रशासन ने केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए कार्रवाई कर उन्हें तसल्ली दे दी। जिस अतिक्रमण को हटाने मेडम उत्सुक थी, उस पर तो नाम मात्र का बुल्डोजर चला, जबकि उसके सामने की रामदीन गुप्ता की दुकान पर बुल्डोजर चला कर उसकी दुकान तोड़ दी गई। वहीं शुक्रवार की शाम करीब चार बजे संजय गुप्ता पिता कुंज बिहारी गुप्ता निवासी वार्ड नं एक जयसिंहनगर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि शाम करीब चार बजे भाई पंकज गुप्ता के साथ अतिक्रमण समाप्त होने के बाद कूड़े कचरे की सफाई कर रहा था। तभी रामदीन गुप्ता, उसकी पत्नी सुषमा, पुत्र महेन्द्र गुप्ता, सुखेन्द्र गुप्ता, भतीजा देवा, दीपेन्द्र गुप्ता तथा अन्य परिजन उसके पास आकर उसे तथा उसके भाई पंकज के साथ गाली गलौज करने लगे।

सोहागपुर एरिया की बुढ़ार सायडिंग फिर आई सुर्खियों में

माइनिंग छोड़ रहमान बना कोल ट्रांसपोर्टरों का रहनुमा

बीते सप्ताह बुढ़ार कोल सायडिंग से अनाधिकृत तौर पर 12 टन कोयला बाहर निकलने का मामला अभी ठण्डा ही नहीं हुआ कि माइनिंग सरदार के अनावश्यक दखल को लेकर सोहागपुर एरिया की बुढ़ार सायडिंग फिर सुर्खियों में है। यहां प्रबंधन की चाटूकारिता कर माईंस से बाहर निकलकर माईनिंग सरदार ने रेलवे सायडिंग की जिम्मेदारी ले रखी है।

शहडोल

साउथ ईस्टर्न कोल फिल्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर एरिया में इनदिनों कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है, माइनिंग के विशेषज्ञ को कोल सायडिंग में कोयले की लोडिंग-अनलोडिंग की जिम्मेदारी सम्हालते देखा जा सकता है, एरिया अंतर्गत बुढ़ार उपक्षेत्र की बुढ़ार रेलवे कोल सायडिंग से निजी और शासकीय उपक्रमों में कोयले की आपूर्ति रेलवे के रैकों के माध्यम से दशकों से की जा रही है, बीते कुछ वर्षो से रोड सेल में आई गिरावट के बाद रेलवे सायडिंगों से कोयले की निकासी काफी बढ़ गई है, बुढ़ार रेलवे सायडिंग से भी निजी और शासकीय उपक्रमों में कोयला भेजा जाता है, लेकिन निजी उपक्रमों से उपकृत होकर कोल प्रबंधन के तथाकथित कर्मचारियों ने रोड सेल की तर्ज पर यहां भी खेल शुरू कर दिया है, आलम यह है कि जुगाड़ के हमाम में अधिक से अधिक मलाई खाने की प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है, इसमें रहमान अय्यैर नामक माइनिंग सरदार ने फिलहाल सबको पछाड़ दिया है। यही वजह है कि आये दिन यहां विवाद की स्थिति बनती है और कोयले के साथ भ्रष्टाचार की गर्द अब चौक-चौराहों तक भी पहुंचने लगी है।

खुद के बाद दो को जुगाड़ की जिम्मेदारी

कोल प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि रेलवे सायडिंग में सिफ्ट इंचार्ज और लोडिंग इंचार्ज ही केवल सायडिंग में अधिकृत तौर पर रह सकते हैं, इसके अलावा विभागीय लिखित अनुमति या जारी आईकार्ड से कोई अन्य प्रवेश कर सकता है। कोयले की ग्रेड के लिए तकनीकि निरीक्षक और रैक लोड करने के लिए लोडिंग इंजार्च के अलावा वाहन चालक ही प्रवेश पा सकते हैं, सायडिंग के अंदर प्रवेश कर रहे भारी वाहनों के परिचालकों तक को अंदर प्रवेश वर्जित है। मूलतः किसी भी कोल परिक्षेत्र में माइनिंग सरदार भूमिगत या खुली खदान की व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त होते हैं, कोयले की लोडिंग-अनलोडिंग साइड में माइनिंग सरदार की भूमिका अपने आप में हास्यास्पद है। बुढ़ार सायडिंग में रहमान अय्यैर खुद जुगाड़ से डटे ही है, वहीं संतोष सिंह और अनिल द्विवेदी नामक दो व्यक्तियों को कोयला छाटने के लिए निगरानी की तौर पर ऑफ रिकार्ड नियुक्त किया गया है। जिनका परिश्रमिक निजी रैक ठेकेदारों के द्वारा दी गई खैरात से पूरा किया जाता है।

कोयले की ग्रेड में खेला

सामान्यतः सोहागपुर एरिया से उत्खनित कोयले को 4 ग्रेडों में विभाजित किया गया है, जो अलग-अलग माइंसों से ट्रको के माध्यम से आने के बाद सायडिंग क्षेत्र में अलग-अलग रखा जाता है, जैसे जी-6 का कोयला शारदा-रामपुर , जी-7 का खैरहा तथा जी 08 का राजेन्द्रा-अमलाई एवं जी-9 का कोयला बंगवार और दामिनी माईंस से यहां पहुंचता है। रेलवे के रैकों में भी अलग-अलग स्थानों के लिए अलग-अलग ग्रेड का कोयला अलग-अलग दामों के हिसाब से भेजा जाता है, लेकिन रहमान अय्यैर के द्वारा संतोष सिंह और अनिल द्विवेदी को यहां अनाधिकृत तौर पर नियुक्त कर डोजर के माध्यम से कोयला छटवाया जाता है और निजी उपक्रम से सांठ-गांठ कर उसे अच्छी ग्रेड के कोयले के लिए न सिर्फ इंतजार किया जाता है, बल्कि यार्ड में उपलब्ध कोयले को छांटकर भी दिया जा रहा है। इस कार्य के कारण कोयला लोडिंग में देरी होती है और अन्य उपक्रमों के रैक निर्धारित 5 घंटे से अधिक खड़े रह जाते हैं और रेलवे के द्वारा लाखों का डैमरेज संबंधित फर्मों से वसूला जाता है। रहमान अय्यैर निजी और शासकीय उपक्रमों से इस सायडिंग से दी जाने वाली सुविधाओं के नाम पर ऑफ रिकार्ड ठेका लिया जाता है, मनमाफिक कार्य न होने पर डैमरेज और रैक से कोयले की कमी का खेल-खेला जाता है।

दिखावे के कैमरे और कांटा घर

रेलवे सायडिंग में अन्य व्यक्तियों का प्रवेश निषेध रहे और कोयले की ग्रेड से छेड़छाड़ को रोका जा सके, इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं, इन कैमरों में अनाधिकृत तौर पर प्रवेश करने वाले रहमान अय्यैर के गुर्गो की करतूते हर दिन कैद होती है, वहीं कोयले की छटाई करने के खेल पर तीसरी नजर रहने के बावजूद इन कैमरों को शायद रतौंधी लग चुकी है। वहीं यह भी बताया गया कि रहमान अय्यैर के द्वारा चहेते निजी उपक्रमों को मांग से अधिक कोयला लोड कर भेजा रहा है, वहीं इसकी कटौती शासकीय उपक्रमों से की जाती है। इसके लिए रैक लोड होने के बाद उसमें कोयले की कमी या बढ़ोत्तरी कांटे के दौरान सामने आती है, जिसे पूरा करने के लिए रैक कांटाघर से वापस सायडिंग पहुंचता है, जहां दोबारा शासकीय उपक्रमों में जाने वाले रैक से कोयले की निकासी तो जुगाड़ वाले निजी रैकों में कोयले की अतिरिक्त लोडिंग कर दी जाती है, यहां से निकलने के बाद दोबारा रैक के कांटा होने की व्यवस्था यहां नहीं है।

जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रगति पर कमिश्नर, एडीजीपी एवं कलेक्टर ने किया पौधारोपण

शहडोल। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रदेश के समस्त जिलों में पौधरोपण करने हेतु लक्ष्य दिया गया है जिसके तहत पूरे प्रदेश में पौधरोपण का कार्य तेजी से चल रहा है। इस अभियान के तहत शहडोल संभाग में भी पौधरोपण का कार्य प्रगति पर है। एक पेड़ मां के नामअभियान के तहत आज शहडोल संभाग के कृषि अभियांत्रिकी परिसर में कमिश्नर बीएस जामोद, एडीजीपी डीसी सागर, कलेक्टर तरुण भटनागर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश संयुक्त संचालक कृषि जेएस पेन्द्राम, उपसंचालक जनसंपर्क जीएस मर्सकोले,उपसंचालक कृषि आरपी झरिया, सहायक कृषि यंत्री आर.के.पयासी सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौध रोपण किया। इस दौरान कमिश्नर ने अधिकारियों, कर्मचारियों से कहा कि धरती को हरा भरा स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करें। कमिश्नर ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वह भी अपने घरों खेतों में पौधारोपण करे साथ ही अन्य लोगों को भी पौधरोपण करने के लिए प्रेरित करें।

पोर्टल पर स्पष्ट बिल अपलोड कराये जाने की ग्रामीणों ने की मांग

ब्योहारी। जनपद के ग्राम पंचायतो मे हो रहे भ्रस्टाचार पर पारदर्शिता लाने शासन द्वारा नित नये प्रयास किये जा रहे है। इसके बावजूद फर्जीवाड़े पर रोक नहीं लग पा रही है। पंचायतों के सरपंच व सचिव द्वारा फर्जीवाड़ा करने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लिया जाता है। जनपद पंचायत ब्योहारी मे सचिवों का बोलवाला है, जिस पर अंकुश लगा पाने मे स्थानीय जनपद स्तर के अधिकारी नाकाम साबित होते नजर आ रहे है। हालात यह है कि कई ग्राम पंचायतो मे सचिवों द्वारा निर्माण कार्य कराने के नाम पर लाखो रूपये के फर्जी बिल पंचायत के पोर्टल मे दर्ज करा अग्रिम राशि निकाल ली जाती है और कोई निर्माण नहीं कराया जाता। ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी उस पर कोई कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। जो आपसी मिलीभगत का संदेह पैदा करता है। यहां पर कई पंचायतों में इलेक्ट्रानिक बिल मे गिट्टी, रेता, सीमेंट, ईंट आदि का नाम लिखकर पोर्टल मे अपलोड कर फर्जी रुप से राशि आहरित की जा रही है और बिल को ऐसे धूमिलकर पोर्टल मे अपलोड किया जाता है कि उसे कोई पढ़ न सके कि उसमे लिखा क्या है। इन दिनों यहां की कुछ पंचायतो मे इलेक्ट्रानिक फर्म के नाम बिल मे ख़ूब खेल-खेला जा रहा है। फर्जी बिल लगाकर पंचायत के खाते से मनमानी राशि निकाली जा रही है और सच्चाई खुलने के डर से बिल को पोर्टल में धूमिल लोड किया जाता है। जिसे कोई पढ़ भी नहीं सकता कि उसमे क्या लिखा हुआ है। जिसे लेकर स्थानीय लोगों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियो से मांग की गयी है कि इसे गंभीरता से लेकर सरपंच एवं सचिवों को पोर्टल मे साफ एवं स्पष्ट बिल लोड कराने आदेशित करें, जिससे यहां हो रहे इस फर्जीवाडे मे रोक लग सके।

रथयात्रा व मोहर्रम के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं: कलेक्टर

शहडोल। रथयात्रा एवं मोहर्रम त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हुए कलेक्टर श्री तरूण भटनागर की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी संयुक्त रूप से भ्रमण कर आने वाली समस्याओं को मौके पर ही निराकरण कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बिजली विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि रथयात्रा व मोहर्रम के दौरान बिजली की कटौती न हो यह सुनिश्चित करें तथा शहर का भ्रमण कर नीचे लटकी हुई तारों को ठीक कर ले। उन्होंने कहा कि बिजली के तार पेड़ों से स्पर्श न करे यह भी सुनिश्चित कर लें। कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि आवारा पशु नगर की सडक़ों में घूमे व वाहन की पार्किंग व्यवस्था बेहतर रहें जिससे किसी भी प्रकार के वाहनो के आवागमन में असुविधा न हो। कलेक्टर ने समिति के सदस्यों ने कहा कि लाउडस्पीकर का उपयोग शासन द्वारा निर्धारित गाइड लाइन के अनुसार ही उपयोग करना सुनिश्चित करेंगे। इसी प्रकार कलेक्टर ने आगामी त्यौहारों के मददेनजर सभी अन्य आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देष संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक ने 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा के आयोजन के मददेनजर थाना प्रभारी, तहसीलदार व नगरपालिका शहडोल के मुख्य नगरपालिका अधिकारी संयुक्त रूप से भ्रमण कर सभी तैयारियां पूर्ण कर लें व रथयात्रा के दौरान पुलिस बल उपस्थित रहे। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि रथयात्रा एवं मोहर्रम पर्व में निकलने वाली यात्रा समय पर निकाल ली जाएगी। गौरतलब है कि 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का आयोजन 17 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाएगा। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, अनुविभागीय अधिकारी अरविंद शाह, शांति समिति के सदस्यगण, थाना प्रभारी व संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थें।

उत्साह व उमंग के साथ विद्यार्थियों ने किया पौधरोपण

धरा को समृद्ध बनाने नागरिक निभा रहे सहभागिता

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत की गयी है। शहडोल जिले में यह अभियान अब जन-जन का अपना अभियान बन चुका है। प्रदेश में पर्यावरण के संरक्षण के लिए यह अभियान अलख जगा रहा है। हर कोई अपने माँ के लिए पेड़ लगाकर इस अभियान के प्रति अपनी सजगता दिखा रहा है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा जब हर एक व्यक्ति एक-एक पौंधा लगाए और उसकी सुरक्षा के लिए संकल्प लें। जब तक हम और आप इसे नहीं समझेंगे तक पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ाया हुआ कदम सार्थक नहीं होगा। इंसान हो या पशु-पक्षी हर किसी को आक्सीजन की जरूरत होती है। बिना आक्सीजन के व्यक्ति एक क्षण भी नहीं जीवित रह सकता है इसलिए आक्सीजन बनाने के लिए पौधों का होना अत्यंत आवश्यक है। इसकी महत्ता को हर किसी को समझना होगा। इसी कड़ी में शहडोल जिले में कलेक्टर श्री तरूण भटनागर के मार्गदर्षन एवं निर्देषन में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में पर्यावरण को बचाने एवं धरा को सजाने के लिए जिले के युवा पीढ़ी के साथ-साथ लोग उत्साह व उमंग के साथ सहभागिता निभाकर पौधो का रोपण कर रहे है। आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बुढार में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने विद्यालयों एवं छात्रावासों में रिक्त पड़ी भूमि पर पौधरोपण, बालिका संप्रेक्षण गृह शहडोल में वृक्षारोपण, लोगो ने ग्राम पंचायत छांटा के शांति धाम में पौधरोपण, ग्राम भोगडा, ग्राम पंचायत राघोपुर, ग्राम पंचायत सगरा विरछा, ग्राम पंचायत मैकी, ग्राम पंचायत पतखई में भी बढ़ चढकर एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागिता निभाई और पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधरोपण किया तथा उसकी सुरक्षा के लिए टी-गार्ड लगाकर जीवित रखने का संकल्प लिया।

सर्पदंश से घबराएं नहीं एक घंटे के अंदर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं: कलेक्टर

शहडोल। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। कलेक्टर श्री तरूण भटनागर ने शहडोल जिले के नागरिको को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। उन्होंने ने कहा है कि साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन शहडोल जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है। कलेक्टर ने कहा है कि साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है, कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं तथा झाड़फूंक करने वालों के चक्कर में पडक़र समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधे। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है। उन्होंने ने कहा है कि सर्पदंश तथा अन्य जहरीले कीड़ों के काटने से बचने के लिए कुएं, अंधेरे गड्ढे, झाडियों आदि में हाथ न डालें। घर से बाहर निकलते समय जूते अवश्य पहनें। ठंडे, अंधेरे और नम स्थानों में साँप छिपते हैं, ऐसे स्थानों में जाने से बचें।

36 वर्षों से कालरी प्रशासन को धोखा दे रहा खलासी, फर्जी नाम से कर रहा नौकरी

शहडोल। सोहागपुर कोयलांचल में फर्जी नाम से नौकरी करने वालों की सूची शायद काफी लम्बी है। अगर जांच पड़ताल की जाए तो दर्जनों कर्मचारी इसी तरह फर्जीवाड़ा कर नौकरी करते पाए जांएगे। मालुम होता है कि इस कोयलांचल में नौकरी से पूर्व दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया काफी नरम है, जहां सब कुछ चल जाता है। पकड़े जाने पर कठोरता से कार्रवाई भी नहीं होती है। दामिनी माइंस में एक पम्प आपरेटर का मामला आज भी चल रहा है। उस पर तो कार्रवाई हो नहीं सकी दूसरा मामला उछल कर सामने आ गया। जिसमें एक खलासी द्वारा अपना और अपने बाप का नाम बदल कर नौकरी की जा रही है। नौकरी पाने की खातिर लोग अपनी पहचान मिटा देते हैं ठीक उसी प्रकार जैसे पुलिस से भागा मुजरिम, दूर दराज कही भेष बदलकर रहने लगता है।

खलासी का फर्जीवाड़ा

जानकारी मिली है कि बिहारीलाल साहू पिता रामदेव साहू निवासी बुढ़ार थाना व तहसील बुढ़ार जिला शहडोल मप्र का मूल निवासी है। बिहारी लाल साहू राजेन्द्र यूजी माइन्स में फेन खलासी के पद पर नौकरी करता है। जिसका एन.एस. आई. नंबर 24461260 है और सन 1988 से माइन्स में कार्यरत है। इस व्यक्ति का सही नाम दिलीप साहू पिता गलबल साहू निवासी वार्ड क्रमांक 5 बुढ़ार, थाना व तहसील बुढार जिला शहडोल म.प्र. है। उसके भाई का नाम नत्थूलाल साहू पिता गलबल साहू है। दिलीप साहू पिता गलबल साहू कालरी में बिहारी लाल साहू पिता रामदेव साहू के नाम से फर्जी रूप से नाम परिवर्तित कर नौकरी कर रहा है।

दस्तावेजों में फेर बदल

नौकरी पाने की खातिर दिलीप साहू ने अपने आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र को बिहारीलाल साहू पिता रामदेव साहू नाम से फर्जी रूप से तैयार करवा लिया है और व्यवहार में उक्त दस्तावेजों का उपयोग कर रहा है। जबकि दिलीप साहू फर्जी नाम बिहारीलाल साहू का नाम राजस्व अभिलेख खसरे में दिल्लू साहू पिता गलबल साहू (दिलीप का घरेलू नाम दिल्लू) अपने भाई नत्थूलाल पिता गलबल साहू, बहन फुलझर साहू पिता गलबल साहू, गीता साहू पिता गलबल साहू के साथ नाम दर्ज है। वास्तविक बिहारीलाल साहू पिता रामदेव साहू की मृत्यु दिनांक 29 अगस्त 2022 हो चुकी है। बिहारीलाल साहू द्वारा न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश बुढ़ार के न्यायालय में बिहारीलाल एवं अन्य बनाम ललिता देवी नाम से अपील कमांक आर.सीए/1/2018 के नाम से प्रस्तुत की गयी थी। जो वर्तमान में विचाराधीन है।

प्रकरण में मृत्यु का लेख

जो प्रकरण विचाराधीन है उसमें वास्तविक बिहारीलाल साहू पिता रामदेव साहू के मृत होना लेख किया गया है। उसके स्थान पर उसके वारिसान पत्नी बेलाबाई साहू, पुत्र किशनलाल साहू, पुत्र डीसीलाल साहू, पुत्र अरविन्द कुमार साहू, पुत्री कलावती साहू को बिहारीलाल साहू के स्थान पर पक्षकार बनाया गया है। इस प्रकरण से स्पष्ट है कि जब असल बिहारी लाल मृत हो चुका है तो फिर माइंस का खलासी कौन है? यह स्पष्ट है कि मृत बिहारीलाल साहू पिता रामदेव साहू के नाम से दिलीप साहू पिता गलबल साहू कालरी में फर्जी रूप से नौकरी कर रहा है और एसीईसीएल के साथ धोखाधड़ी करते हुए करोड़ों रूपये की क्षति पहुंचा रहा है।

घटिया दर्जे का चल रहा काम, जांच पड़ताल जरूरी

मुरुम की चोरी पकड़ाई, हुआ डेढ़ लाख का जुर्माना

उमरिया। जिले के पाली नगर विकास के लिए चल रहे निर्माण कार्यों में नगरपरिषद द्वारा बरती जा रही धांधली की कुछ परतें अवश्य खुलीं हैं और प्रशासन ने जांच के बाद जुर्माना भी तय किया है। लेकिन करोड़ों रुपए के बजट की जिस तरह होली खेली जा रही है वह उच्च स्तरीय जांच का विषय है। ज्ञातव्य है कि नगर विकास के लिए मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से 3 करोड़ 84 लाख रूपये की लागत से बजट स्वीकृत हुआ था। ठेकेदार द्वारा जमकर मुरुम का उपयोग किया गया लेकिन यह मुरुम चोरी की थी। क्योंकि जिला तो क्या पूरे संभाग में कहीं भी मुरुम की खदाने नहीं हैं। इसी पर करीब डेढ़ लाख का जुर्माना किया गया है।

और उनके भुगतान की भी जांच की जानी जरूरी है।

कहां से आई मुरुम बताओ?

शिकायतों का जब दबाव बढऩे लगा तो खनिज विभाग ने निर्माण कार्यों में मुरुम की स्थिति की जांच पड़ताल की। पूछताछ के दौरान नगरपरिषद के अधिकारी व ठेकेदार इस बात का संतोषप्रद जवाब नहीं दे सके कि मुरुम की आपूर्ति कहां से हुई। जांच में पाया गया कि कई स्थलों से नियमविरुद्ध उत्खनन कर मुरुम की आपूर्ति की गई है। जांच पूर्ण होने के बाद विभाग ने नगरपरिषद ठेकेदार पर करीब डेढ़ लाख का जुर्माना ठोका है। इससे यह तो साबित हो गया कि निर्माण कार्यों में व्यापक पैमाने पर चोरी की सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है। इसी दायरे में अन्य मटेरियलों की आपूर्ति

अन्य प्रकरण भी दर्ज हों

प्रशासन ने कार्रवाई की और जांच में चोरी का सामान उपयोग किया जाना पाया गया। लेकिन खनिज विभाग ने केवल जुर्माना लगाने तक कार्रवाई को सीमित रखा जबकि इसमें उसे आपराधिक प्रकरण भी दर्ज कराना चाहिए। प्रायः यही देखा जाता है कि चोरी के मामलों में जांच के बाद विभाग केवल जुर्माना लगाकर मामले को ठण्डे बस्ते में डाल देते हैं जबकि इसमें प्रकरण भी दर्ज कराए जाने चाहिए। खनिज विभाग केवल अपने उत्खनन और रायल्टी की प्रक्रिया को ध्यान में रखा। मुरुम का उत्खनन अवैध था क्योंकि जिले में कहीं भी मुरुम की खदान संचालित ही नहीं है।

इस तरह चल रहे काम

पाली नगर विकास के लिए शासन द्वारा जो बजट दिया गया है उसके अंतर्गत 2 सडक़, 1 कार्यालय, 1 ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाना है। इन कार्यों की एक अर्से से मांग की जा रही थी और जनहित में इनका निर्माण कराया जाना अनिवार्य सा हो गया था। वर्तमान में वार्ड नंबर 15 दफाई कालोनी में 92 लाख की लागत से सीसी सडक़ का निर्माण शुरू हो चुका है। वार्डवासियों की मांग पर सडक़ निर्माण कार्य शुरू कराया गया। लेकिन इसकी गुणवत्ता की जांच पड़ताल नही की जा रही है। जहां भी निर्माण कार्य चल रहे हैं वे घटिया दर्जे के ही चल रहे हैं। अधिकारी इन कार्यों का मौका सत्यापन नहीं कर रहे हैं।

सूचना बोर्ड नहीं लगा

हैरानी की बात यह है कि नगर के अंदर काम चल रहा है लेकिन सूचना बोर्ड लगवाया जाना जरूरी नहीं समझा गया है। पाली प्रशासन इस बात को जानता है फिर भी कोई सवाल जवाब नहीं किया जा रहा है। सूचना बोर्ड में इस बात का ब्यौरा होता है कि किस काम का निर्माण कराया जा रहा है, लागत कितनी है, निर्माण एजेंसी कौन है, काम कब शुरू हुआ आदि। ठेकेदार व परिषद बोर्ड लगवाने से कतरा रहे हैं ताकि इन विन्दुओं की जानकारी किसी को न हो सके और सारा खेल सरलता से हो सके।

दो दिवसीय अल्प विराम कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

शहडोल। कलेक्टर तरुण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आनंद विभाग भोपाल के सहयोग से दो दिवसीय अल्पविराम कार्यक्रम का शुभारम्भ संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग एवं जिले के प्रशिक्षु पटवारी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने कहा कि अल्पविराम आनंद संस्थान द्वारा संचालित एक ऐसी गतिविधि है जिसके माध्यम से शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अन्य नागरिकों के जीवन में सकारात्मक सोच का विकास किया जा सकता है। सकारात्मक सोच का लोक सेवाओं से प्रभावी प्रबंधन तथा प्रदाय से सीधा संबंध है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों का दृष्टिकोण जीवन की मौलिक समझ की परिपूर्णता पर आधारित हो। उन्होनें कहा कि अल्पविराम शांत समय में अंतरात्मा की आवाज को सुनने का एक अभ्यास है, जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को दृढ़ बनता है यह एक प्रकार का अल्पविराम है जिसके माध्यम से हम स्वयं अपने जीवन में दिशा और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं शासकीय सेवक यदि स्वयं आनंदित होगा तो वह दूसरों को भी आनंदित रहने का मार्ग प्रशस्त कर सकेगा।

कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों द्वारा आनंद विभाग का परिचय, योग का महत्व, आयुष विभाग द्वारा जीवन शैली पर चर्चा, फ्रीडम आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा जीवन को आनंदित करने संबंधित अनेक तत्वों पर प्रकाश डाला गया।

सरकार के बजट से उद्योग और व्यापार में उत्साह नहीं: कैट

शहडोल। देश का सर्वश्रेष्ठ व्यापारिक संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) उमरिया के जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवडा ने विधान सभा में प्रदेश का पूर्ण बजट पेश किया, 365067 करोड के बजट में ऐसा उल्लेख कहीं नहीं है कि उद्योग एवं व्यापार को बढाने के लिये इतनी राशि का प्रावधान किया गया और व्यापारियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये इस योजना के अन्तगत लाभ प्राप्त होगा। यह बजट उद्योग और व्यापार के लिए उत्साह पैदा नहीं करता है। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम वर्ग के उद्योग और व्यापार के लिये किसी भी प्रकार की योजना लागू नहीं की गई है, जो प्रदेश भर में औद्योगिक क्षेत्र हैं उनकी स्थिति दयनीय है। नये औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिये बडे निवेश की संभावना इस बजट में नहीं दिखी। राज्य सरकार बेरोजगारों को रोजगार नहीं दे पा रही है, बडे उद्योग एवं व्यापार में भी नया आकर्षण पैदा नहीं कर पा रही है। इसलिये इस बजट को उत्साह वर्धक बजट नहीं कहा जा सकता।

बारिश से शहडोल के कई घरों में घुसा पानी

शहडोल। बुधवार और गुरूवार को लगातार शहडोल मुख्यालय में हुई कुछ घंटो की बारिश ने पूरे शहर को तर-बतर कर दिया, नगर के वार्ड नंबर 07 आर्शीवाद कालोनी, पाण्डव नगर में बारिश के कारण कई घरों में पानी घुस गया, वहीं वार्ड के आंतरिक मार्ग पूरी तरह से जल मग्न हो गये। हालाकि बीते वर्षो में भी बारिश के समय इस तरह की स्थिति बनती रही है, बावजूद इसके मुख्यालय की नगर पालिका ने इस दिशा में सुधार हेतु कोई कदम नहीं उठाये। बारिश के बाद कुछ घंटो तक पानी भरा रहा और आमजन बाल्टियों व अन्य संसाधनों से घर का पानी बाहर निकालते हुए नजर आये। बीते कई वर्षो से शहर के प्रमुख गांधी चौक के साथ ही बुढ़ार रोड, के-स्क्वॉयर के समीप, पॉलीटेक्निक मार्ग के मॉडल रोड में भी एक फिट से अधिक पानी भरा रहा, जिस कारण आमजनों को खासी परेशानी हुई, इसी तरह सब्जी मण्डी क्षेत्र में नालियों तथा कचरे के ढेरों की समय पर सफाई न होने के कारण भारी बारिश से पूरा क्षेत्र सडांध मारता रहा।

वधु पक्ष ने वर पक्ष से की मारपीट, कार तोड़ी, मामला दर्ज

अमलाई।

ग्राम अतरिया में मंगलवार की देर रात एक ही परिवार की दो बहनों की शादी के कार्यक्रम में वधु और वर पक्ष आपस में भिड़ गये, वधु पक्ष ने ग्राम पकरिया थाना बुढ़ार क्षेत्र से आए बरातियों को डीजे बंद करने के विवाद को लेकर जमकर धुन दिया। दूल्हे की कार के शीशे फोड़ दिये गये, आधा दर्जन बरातियो को गंभीर चोटे आई, जिसमें एक का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, वहीं अन्य घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। घटना के बाद आधी रात को ही बराती बुढ़ार क्षेत्र के ग्राम पकरिया में बदहवास भाग आये। जहां उन्होंने बुढ़ार थाने में सूचना दी और पुलिस ने नये कानून के तहत मामला जीरो में कायम करते हुए विवेचना के लिए अमलाई थाने के सुपुर्द कर दिया। वहीं वधू पक्ष के द्वारा भी वर पक्ष के लोगों पर मारपीट के आरोप लगाये गये और अमलाई थाना में शिकायत देने के बाद पुलिस ने वर पक्ष के कुछ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है।

पहले बड़े दामाद का होना था स्वागत

ग्राम अतरिया थाना अमलाई में रहने वाले चौधरी परिवार के यहां बुढ़ार ग्राम पकरिया और छत्तीसगढ़ के खोंगापानी से दूसरी बारात आनी थी, पकरिया से बारात समय पर पहुंच गई, लेकिन खोंगापानी से बड़े दामाद की बारात आधी रात को पहुंची, दोनों बराते साथ में निकलनी थी, खोंगापानी से आई बारात बड़े दामाद के लिहाज से पहले लगनी थी, लेकिन देरी के कारण पकरिया से आये बरातियों ने बरात निकाल दी। इसी दौरान खोंगापानी के भी बाराती आ पहुंचे, छोटे दामाद की बारात किनारे लगवाई गई, इसी दौरान डीजे बंद कर दिया गया।

डीजे को लेकर हुआ विवाद

03 जुलाई रात्रि में अंगूठी की रस्म हो रही थी, तभी छोटे चौधरी के घर के सामने राकेश चौधरी गाली देते हुए बोला डीजे क्यों बंद करा दिया है, उसी बात को लेकर लडक़ी पक्ष का अजय चौधरी, राकेश चौधरी बोला कि अभी अंगूठी की रस्म हो रही है तथा डीजे का समय भी समाप्त हो रहा रहा है कि इसी बात से नाराज होकर अजय चौधरी पास में पड़े अद्धा को उठाकर राकेश चौधरी के सिर में दाहिने तरफ दो-तीन बार मारा, जिससे राकेश चौधरी वहीं गिर गया तथा उसके सिर से खून निकलने लगा तथा अजय चौधरी, यशदीप साकेत की स्विफ्ट डिजायर गाड़ी का पीछे का शीशा ईटा से तोड़ दिया एवं बाएं तरफ का पिछले दरवाजे में भी तोडफ़ोड़ करते हुए बोल रहा था कि डीजे बजाने से मना क्यों किया है, आज तुझे भी जान से मारकर ही खत्म कर दूंगा एवं गाड़ी को भी तोड़ डालूंगा, कहते हुए वहां से भाग गया, तब मैं एवं यशदीप, कमलेश चौधरी, अजय चौधरी, सुमन चौधरी के साथ स्वीफ्ट डिजायर से राकेश चौधरी को बुढ़ार अस्पताल लेकर आये है एवं हम लोग घटना को देखे सुने है, चिकित्सक ने राकेश को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया, मामले की जांच कर कार्यवाही की जाये।

इनका कहना है...

वधु पक्ष की ओर से प्राप्त शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है, वहीं वर पक्ष ने वधु पक्ष के खिलाफ बुढ़ार थाने में शिकायत दी थी, दोनों ही मामलो की जांच अमलाई पुलिस कर रही है।

जे.पी. शर्मा
थाना प्रभारी
अमलाई

टूट कर नीचे गिरा छज्जा, बाल-बाल बचा परिवार

रखरखाव के अभाव में कालरी क्वार्टर हो रहे जर्जर, हो सकती है दुर्घटना

कोतमा। एसईसीएल जमुना कोतमा एरिया के कालरी क्वार्टर पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं और स्थिति यह है कि यहां रहने वाले लोग परेशानी में हैं। चारदीवारी तक टूटकर गिर रही है जिसके कारण सुरक्षा को खतरा पनप रहा है। वैसे तो एसईसीएल जमुना कोतमा एरिया के विभिन्न कॉलोनियों में श्रमिक आवासों की देखरेख ना होने के कारण कई आवास खंडहर में नजर आने लगे हैं जिसे लेकर लगातार सवाल भी उठ रहे हैं। यहां पर आवास तो खंडहर हो रहे हैं साथ ही आवासों के चारों तरफ बनी दीवार एवं छज्जे भी टूट रहे है।

यह है आवासों की स्थिति

इस कारण से आवासों में लगे खिड़की दरवाजों के चोरी होने का भी डर बना रहता है, क्योंकि कबाड़ चोरों की सबसे अधिक नजर यहीं पर होती है और पूर्व में कई जगह चोरी की घटनाएं देखी भी जा चुकी हैं। वर्तमान में जमुना कोतमा अंतर्गत गोविंदा कालोनी की स्थिति यह है कि अधिकांश आवास खंडार में तब्दील हो रहे हैं जबकि कालरी प्रबंधन के द्वारा हर वर्ष आवास रिपेयरिंग के नाम पर लाखों रुपए खर्च कर रही है लेकिन धरातल पर स्थित जर्जर बनी हुई है। गोबिंदा कॉलोनी में अधिकांश कमरे खाली पडे है और अब देखरेख ना होने के कारण यह धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। वर्तमान में अगर देखा जाए तो कई अधिकारी अभी भी गेस्ट हाउस में रहने को मजबूर हैं। ऐसे में अगर इन बंगलों की मरम्मत करा दी जाए तो अधिकारियों को आवंटित किया जा सकता है।

बाल-बाल बचे

जमुना कोतमा क्षेत्र अंतर्गत गोविंदा कॉलोनी के क्वार्टर नंबर ए/235 पुरानी डबल स्टोरी जिसमें सरोज सिंह जो बरतराई कॉलरी मे कार्यरत है और उनके परिवार उसे कमरे में निवास कर रहा है मंगलवार को दोपहर अचानक कमरे के ऊपर का छज्जा टूट कर नीचे गिर गया गनीमत यह थी कि उसे वक्त उसे जगह पर कोई नहीं था नहीं तो कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी।

चोर हैं चोरी की ताक में

इन आवासों में जो दरवाजे खिड़कियां लगे रहते हैं इन पर चोरों की नजर है और कभी भी इनको चोरी किया जा सकता है। नजारा सिर्फ यही भर नहीं देखा जा रहा है बल्कि विभिन्न कालोनियों में अगर निरीक्षण किया जाए तो सैकडों ऐसे आवास है जो देख रेख न होने के कारण खंडहर में तब्दील होते हुए नजर आ रहे हैं। अगर इनकी देखरेख की जाए तो इनकी हालत इस तरह से ना हो। आज कर्मचारियों को क्वार्टर नहीं मिल रहे हैं जिसके लिए परेशान होते हैं और जो क्वार्टर हैं वह अनदेखी के कारण जर्जर होते जा रहे हैं लोगों ने महाप्रबंधक से इस ओर ध्यान देने की मांग की है।

कई बार कर चुके हैं शिकायत

गोविंद कॉलोनी में निवासरत श्रमवीर आवासों की जर्जर हालत को लेकर कई बार प्रबंधन से शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन सिविल विभाग के अनदेखी के कारण जर्जर आवासों की मरम्मत नहीं हो पा रही है यहां तक की सिंगल स्टोरी के आवास बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता है और भारी बारिश में परिवार भगवान भरोसे इन आवासों में निवास करने को मजबूर है।

मानव सुविधाओं के सभी 40 पैरामीटर में कार्य किया जाएगा: कलेक्टर

मानपुर आकांक्षी जनपद में संपूर्णता अभियान का हुआ शुभारंभ

उमरिया। भारत सरकार व्दारा चिन्हित आकांक्षी विकासखण्डो मे मानव सुविधाओ शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कुपोषण, टीकाकरण, शुगर एवं ब्लड प्रेसर, बिजली आदि जैसी 40 बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी मानीटरिंग राज्य एवं केन्द्र सरकार व्दारा की जाती है। संबंधित विभाग के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी तथा मैदानी अमला मिलकर काम करें तथा जनता को बुनियादी सुविधाये उपलब्ध कराये। संपूर्णता अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य , महिला बालविकास विभाग, कृषि तथा एनआरएलएम की 6 सेवाओं को चिन्हित किया गया है, तथा इन सेवाओं मे शत प्रतिशत उपलब्धी अगस्त माह तक पूरी की जानी है। यह जानकारी संपूर्णता अभियान के शुभारंभ के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने दी। नीति आयोग भारत सरकार के प्रतिनिधि आर्थिक विशेषज्ञ सुमन पंडित ने कहा कि उमरिया जिले मे आकांक्षी विकासखण्ड मानपुर मे सराहनीय कार्य किया गया है। अगस्त माह तक सरकार की मंशा के अनुरूप सभी पैरामीटर मे उपलब्धियां प्राप्त कर ली जायेगी। इस अवसर पर बिहरूलिया के लोक कलाकारो व्दारा

आदिवासी संस्कृति पर आधारित लोक नृत्य एवं गायन की प्रस्तुती दी गई, स्कूली बच्चों ने स्वागत गीत तथा नृत्य एवं स्व सहायता समूह की महिलाओ ने समूह की बैठक कर निर्णय लेने की पारदर्शी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कृषि, स्वास्थ्य, एनआरएलएम, महिला बाल विकास विभाग, सर्व शिक्षा अभियान व्दारा प्रदर्शनी लगाई गई थी। साथ ही विभिन्न योजनाओ के हितग्राहियो को लाभान्वित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डीपीसी सुशील मिश्रा द्वारा किया गया, कार्यक्रम मे ग्राम बेल्दी की दिव्या स्व सहायता समूह की सचिव पदमा चतुर्वेदी ने अपनी सफलता की कहानी खुद की जुवानी की प्रस्तुति दी।

एसकेएमएस यूनियन की क्षेत्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

जमुना/बदरा। 4 जुलाई को एटक भवन जमुना में एसकेएमएस यूनियन की क्षेत्रीय कार्यकारिणी की बैठक कामरेड राज कुमार शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। केंद्रीय महामंत्री कामरेड हरिद्वार सिंह इस अवसर पर कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए क्षेत्र में सदस्यता सत्यापन के संबंध में की गई तैयारी से अवगत हुए सभी यूनिटों के पदाधिकारियों ने कहा बढ़ चढ़कर सदस्यता सत्यापन में हिस्सा लेंगे। कार्यकर्ताओं ने यूनियन के सचिव के खिलाफ प्रबंधन द्वारा की गयी कार्रवाई को निंदनीय बताया और कहा कि हम सब गम्भीरता से लेते हुए सदस्यता बढ़ायेंगे और प्रबंधन के मनमानी पर रोक लगायेंगे कामरेड लालमन सिंह ने कहा सदस्यता ही यूनियन की जान है पूरी हम मेहनत करके सदस्यता करायेंगे। उन्होंने कहा कि एटक एक लड़ाकू संगठन है इसे मजबूत करेंगे। कामरेड ऋषि तिवारी ने कहा सभी जगह हमारा प्रभाव है हम दौरा करेंगे उपस्थित सभी नेताओं ने एकजुट होकर काम करने का आश्वासन दिया। बैठक में सार्थक चर्चा के बाद कामरेड लालमन सिंह क्षेत्रीय सचिव एवं कामरेड टीपी सिंह को सेवानिवृत्त होने के अवसर पर कामरेड हरिद्वार सिंह ने शाल भेंट कर सम्मान किया इसके पूर्व कामरेड हरिद्वार सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।

बेलगाम हुये वाहन चालक

कोतमा। थाना में नियमित रूप से यातायात पुलिस कर्मियों की पदस्थापना ना होने के कारण वाहन चालक बेलगाम हो चुके हैं जो आए दिन तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर दुर्घटना को अंजाम दे रहे है। कुछ दिनों पूर्व ही ओवरलोड हाईवे के वाहन चालक द्वारा बेलगाम गति से वाहन दौड़ाते हुए कुशियारा फाटक के समीप दुर्घटना कर 36 वर्षीय महिला को मौत के घाट उतार दिया था। जिसको लेकर हाईवे तक चार घंटे जाम कर दिया गया था। दुर्घटना के नए मामले में शुक्रवार को लहसुई गांव के समीप सफेद रंग की छोटा हाथी वाहन नम्बर एमपी 65 जीए के चालक द्वारा तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूली छात्र मोहम्मद अनस 16 वर्ष पिता मोहम्मद इमरान निवासी वार्ड क्रमांक 15 को जोरदार ठोकर मारते हुए घायल कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने रोपे पौधे

राजेन्द्रग्राम। विकासखंड स्तरीय परामर्शदाता एवं नवांकुर संस्था की समीक्षा बैठक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पांडे की अध्यक्षता में संपन्न की गई। बैठक में सीएमसीएलडीपी बीएसडब्ल्यू की बची शेष सीटों में प्रवेश हेतु परामर्शदाताओ को जल्द ही पूर्ण करने एवं नवाकुर संस्थाओ को पौधा रोपण के लिए लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देश जिला समन्यवयक द्वारा दिया गया। इस माह मे होने वाली सीएमसीएलडीपी बीएसडब्ल्यू/ एमएसडब्ल्यू वार्षिक परीक्षा मे सभी छात्र/छात्रा आवश्यक रूप से उपस्थित रहे। इसकी सूचना सभी छात्रों से सम्पर्क कर सुनिश्चत करे। कार्यक्रम के अंत मे सरस्वती शिशु मंदिर राजेंद्रग्राम के मैदान में पौधारोपण कर सभी से एक पौधा अपनी मां के नाम लगाने का संकल्प लिया गया। आज के कार्यक्रम मे ब्लॉक के सभी परामर्शदाता एवं नवाकुर संस्था की उपस्थिति रही।

नाराज होकर बिना बताए घर से चले गया युवक

कोतमा। थाना अंतर्गत खोडरी नम्बर 1 में रहने वाले राम पाल पांडे 38 वर्ष जिनके अपने घर से बिना बताए कहीं चले जाने का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा पास पड़ोस सहित रिश्तेदारों सहित संभावित जगहों में पता तलाश किए जाने के बाद भी न मिलने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।पुलिस द्वारा गुम इंसान क्रमांक 57/24 कायम करते हुए गुमशुदा की तलाश कर रही है। जानकारी अनुसार बताया जाता है कि रामपाल द्वारा किसी बात से नाराज होकर बिना बताए घर से अचानक चले गए हैं।

एक पेड मां के नाम के तहत रोपित किए गए पौध

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री के आव्हान पर प्रारंभ अभियान एक पेड़ माँ के नाम को सफल बनाने के निर्देश दिए है। वनमंडला अधिकारी कुलदीप त्रिपाठी ने बताया कि एक पेड मां के नाम के तहत उचेहरा मंदिर परिसर से लगे वन क्षेत्र में कुल 92 पौध रोपित किए गए जिसमें आम के 20 पौध, करंज के 23 पौध,नीम के 26 पौध, इमली के 8 पौध, मीठी नीम के 7 पौध, बहेरा के 1 पौध, बांस के 2 तथा बेल के 5 पौध रोपित किए गए ।

72 किलो जप्त गांजा के मामले में आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ जारी, तस्करों की गिरफ्तारी के लिए 3 टीम सक्रिय

कोतमा। कोतमा पुलिस द्वारा बुधवार को लग्जरी कार से 72 किलो गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपी महेंद्र उर्फ मिंदा सोनी कोतमा एवं अंगद सिंह गोंड निवासी बिजुरी को अनूपपुर विशेष न्यायालय में प्रस्तुत कर तीन दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करते हुए कब से इस धंधे में लिप्त रहना, कहां से माल लाना कहां-कहां बिक्री करना सहित तस्करी के काले करोबार में कौन-कौन से गिरोह के सक्रिय होने संबंधी जानकारी जुटा जा रही है। दोनो अरोपियो के अपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

तस्करों की गिरफ़्तारी 3 टीम सक्रिय

पुलिस ने तीन अलग-अलग टीम गठित करते हुए फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के मनेंद्रगढ़ एवं शहडोल, ब्योहारी में टीम भेज कर आरोपियों की पता तलाश कराई जो कि फरार बताए जा रहे हैं। हर आरोपियों के अन्य संभावित ठिकानों पर भी दबिस दी जा रही है। पुलिस लग्जरी कर के बारे में भी पता तलाश कर रही है। गांजा तस्करी में जप्त कार के वाहन मालिक को लेकर भी जांच की जा रही है। बुधवार को हुई कार्यवाही के बाद मादक पदार्थों के कारोबारियो में हड़कंप मची रही। क्षेत्र में संचालित कुछ अड्डे बुधवार एवं गुरूवार को बंद देखे गए।

पाली, मानपुर एवं करकेली में आधार कैंप 6 जुलाई तक लगाये जायेंगे

उमरिया। जिले के करकेली विकासखण्ड, मानपुर विकासखण्ड तथा पाली विकासखण्ड में आधार कैंपो का आयोजन 5 जुलाई से प्रारंभ हो गया है । यह कैंप 6 जुलाई तक जारी रहेगा ।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले आधार कैंप के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ती की है । नोडल अधिकारी ग्राम पंचायत में आधार आपरेटरो की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए जन मन योजना से संबंधित समस्त हितग्राहियों के ई केवाईसी , आयुष्मान कार्ड, आहार अनुदान मे आधार की समस्याओं का निराकरण करायेगे ।

खबर संक्षेप

सतीश विश्वकर्मा बने पालक महासंघ के उमरिया जिला अध्यक्ष

उमरिया -: पालक महासंघ के प्रदेशअध्यक्ष कमल विश्वकर्मा व प्रदेश महासचिव के अनुशंसा पर उमरिया इकाई के जिलाध्यक्ष सतीश विश्वकर्मा पद पर नियुक्त किया गया सतीश विश्वकर्मा ने कहा पालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश कार्यकारिणी पद अधिकारियों के द्वारा जो दायित्व दिया गया है उस दायित्व को पूरा करना ही मेरी कोशिश पालक संघ के निर्देशों के पालन कर पालक संघ को मजबूती करना मेरा पहला कर्म रहेगा आज जिस तरह से शिक्षा को व्यापार बनाया गया है है अभिवावकों के जेब मे जो शिक्षा संस्थान डाका डाल रहे है उनके विरुद्ध आवाज उठाई जाएगी शिक्षा के क्षेत्र में अध्यानरित छात्रों को उनके हित मे सुविधा दिलाना हमारे संघटन का कार्य है इस को मजबूती प्रदान देने ही संघटन के निर्देशों का पालन करना ही संघटन व छात्रों की आवाज बन कर उमरिया जिले का नेतृत्व करूंगा सतीश विश्वकर्मा इसके पहले भी छात्र हितों के लिए छात्र संघटन में कार्य कर चुके है अभी पत्रकारिता के साथ समाज सेवा के कार्य मे लगे हुए है

जन्मदिवस पर किया पौधरोपण

अमलाई। नगर परिषद बकहो अध्यक्ष मौसमी केवट के पति विष्णु केवट द्वारा अपने जन्मदिवस के अवसर पर बकहो में 25 पौधारोपण किया नेशनल हाइवे से बकहो स्थित हनुमान मंदिर तक सड़क के किनारे पौधरोपण किया विष्णु ने कहा कि सभी को किसी न किसी अवसर या समय निकाल कर पौधरोपण करना चाहिए जिससे प्रकृति का संतुलन बना रहे। पौधरोपण के समय नगर परिषद अध्यक्ष मौसमी केवट, उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह, मुख्य नपा अधिकारी प्रभात बड़कडे, हरिनाथ साहू, पिंटू मिश्रा, संतोष तिवारी, राजकुमार सोनी, नितिन सहित अन्य नपा कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहे। और सभी ने पौधारोपण किया।

अनूप तिवारी का आईआईटी खड़गपुर में एमटेक के लिए चयन

अमलाई। ओपीएम शिक्षण केंद्र में शिक्षक के पद पर पदस्थ दिवाकर प्रसाद तिवारी के पुत्र अनूप तिवारी का उच्च अध्ययन हेतु मैकेनिकल ब्रांच के मैकेनिकल सिस्टम डिजाइन में आईआईटी खड़गपुर में चयन हुआ है अनूप माध्यम वर्गीय परिवार में रहते हुए इनकी इस सफलता को लेकर परिवारजनों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की बधाई दी है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अव्यवस्था के चलते सीवीटीएस विभाग के सहायक प्राध्यापक ने दिया इस्तीफा

रीवा । जिले के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अंदरूनी कलह और अव्यवस्था हावी होती जा रही है। डिप्टी सीएम लगातार सामंजस्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिर भी स्थितियां बिगड़ती ही जा रही है। काफी दिनों से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की स्थितियां सामान्य थी। सब कुछ ठीक चल रहा था कि अचानक एक और डॉक्टर ने डीन को पद से त्याग पत्र दे दिया। इस मर्तबा सीवीटीएस विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ राकेश कुमार सोनी ने डीन श्याम शाह मेडिकल कॉलेज को अपना त्यागपत्र सौंप दिया है।

एमपीआरडीसी सड़क के दोनों ओर पत्थर भी नहीं लग पाया जिसके कारण से खाली जगह में अब घुटने घुटने भर तक पानी भर जाता

दुकान के सामने भरा पानी, दुकानदारी हुई चौपट

ब्यौहारी। ब्यौहारी नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे स्टेशन परिसर से लेकर सड़क के दोनों और कंपनी द्वारा पेवर पत्थर लगाया जाना था लेकिन जिला प्रशासन के बार-बार आगाह करने के बावजूद भी एमपीआरडीसी सड़क के दोनों ओर की पटाई नहीं करवाई पेपर पत्थर भी नहीं लग पाया जिसके कारण से खाली जगह में अब घुटने घुटने भर तक पानी भर जाता जिससे फुटपाथ पर लगने वाले दुकानदारों की ग्राहक की पूरी तरह से चौपट हो गई। वन विभाग के सामने दुकान लगाने वाले कई दुकानदारों ने बताया कि हमारी दुकानों के सामने पानी भरा है ऐसे में हमारे दुकान में कौन ग्राहक आएगा। उन्होंने जिले के कलेक्टर से शीघ्र पिटाई कर कर देवर का तर लगवाए जाने की मांग की है

इनका कहना है।

दुकान के सामने पानी भरा है पर बैठे हुए हैं क्या कर सकते हैं शान जल्दी से इसका निराकरण करें।

राजकली राठौर
दुकानदार मझवा टोला।

: कंपनी द्वारा अभी तक इसकी पटाई नहीं कराई गई है पानी भरा हुआ है दुकान में ग्राहक नहीं आ पा रहे हैं सड़क के किनारे खड़े होने वाले लोग कभी-कभी पानी में गिर भी जाते हैं इसकी पटाई कराई जाए।

ओमप्रकाश तोमर।
,विषात खाना दुकानदार ।

सड़क निर्माण करने वाली गाबर कंपनी द्वारा नगर की पानी निकासी के लिए बनाई 7 पुलिया को नष्ट कर दिया है जिसमें बनसुकुली चौराहा, गोदावल सहित सात प्वाईंट से आसानी से पानी निकल जाता था और नगर में जलभराव की स्थिति नहीं बनती थी समस्या को लेकर एमपी आरडीसी के अधिकारियों से बात की, ठेकेदार से बात की लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा तानाशाही पूर्वक काम कर रहे हैं बैठक में कलेक्टर साहब का ध्यान भी आकृष्ट कराया गया लेकिन अभी तक समस्या का निदान नहीं हुआ एमपी आरडीसी जिन पुलिया को नष्ट किया उसको

बनवाएं ।इसके अलावा नाली निर्माण में वाटर लेवल का ध्यान नहीं दिया गया जिससे सही पानी निकासी नहीं हो रही नाली को टेढा मेढा बनाया गया है। उसको भी सुधारा जाए।

श्री कृष्ण गुप्ता राजन
नगर परिषद अध्यक्ष ब्यौहारी

शराब कारोबारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

रीवा। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रीवा अदिती अग्रवाल की न्यायलय ने रीवा के शराब कारोबारी माँ लक्ष्मी इंटरप्राइजेज के मालिक निपेंद्र सिंह परिहार उर्फ़राजू के विरुद्ध परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के अन्तर्गत गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

गौरतलब है की शराब कारोबारी निपेंद्र सिंह परिहार उर्फ़ राजू प्रो.माँ लक्ष्मी इंटरप्राइजेज ने कारोबार शुरू करने के पूर्व कई लोगो से पैसा लिया था जो की कारोबार समाप्त होने के बाद भी नहीं लौटाया, कई लोगो को इनके द्वारा बतौर सुरक्षा राशि चेक दिया गया था जो की बैंक में डालने पर अनादरित हो गया ऐसे में अभ्युदय कैपिटल के प्रो. नितिन प्रताप सिंह के द्वारा मा. न्यायलय में परक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के अन्तर्गत परिवाद दायर किया गया था प्रकरण क्रमांक एस.सी.एन.आई .ए 853/23 के अन्तर्गत न्यायलय ने शराब कारोबारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। रीवा के शराब कारोबारी निपेंद्र सिंह परिहार उर्फ राजू ने ऐसे ही कई लोगों से कारोबार में शामिल करने हेतु पैसा लिया फिर उनका पैसा वापस नहीं किया है। ऐसे में कई लोग इस कारोबारी के झांसे में आकर अपना पैसा डुबो चुके है, अब देखना ये है की माननीय न्यायालय के आदेश पर जारी गिरफ्तारी वारंट पर लौर थाना पुलिस क्या करती है पुलिस शराब कारोबारी को गिरिफ्तार करती है या उनसे याराना निभाती है। ये दिलचस्प सवाल है। शराब कारोबारी खुलेआम घूम रहा है उस पर पुलिस एवं न्यायलय का कोई डर नहीं है।

जिले में चेन स्नेचिंग की दो वारदातें, वाक पर निकली महिलाओं को बनाया निशाना

शहर के समान व विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में हुई वारदात

रीवा । जिले में बेखौफ बदमाशों ने शुक्रवार चेन स्नेचिंग की दो अलग अलग वारदातों को अंजाम दिया, बदमाशों ने शहर के दो अलग अलग थाना क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली दो महिलाओं को अपना निशाना बनाया है। पीडित महिलाओं की माने तो बदमाशों की संख्या दो थी और वे बाइक पर सवार थे जिनके चेहरों पर नकाब था महिलायें रोजाना की तरह शुक्रवार की सुबह जब टहलने के लिये निकली तभी बदमाशों ने झपटटा मारकर उनके गले से सोने की चेन पार कर दिया। दोनों वारदातें शहर के समान और विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी मुताविक पहली घटना समान थाना क्षेत्र मे हुई है जहां शिवाजी नगर में रहने वाली स्टाफ नर्स सामंता सिंह रोजाना की तरह सुबह घर से मार्निग वाक पर निकली थी तभी बाइक सवार दो नकापपोश बदमाशों ने पीछे से झपट्टा मारकर गले से सोने की चेन तोड ले गए वही दूसरी घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित जनता कॉलेज के समीप हुई जहां मॉर्निंग वॉक पर निकली सीमा सिंह को बदमाशों ने अपना दूसरा शिकार बनाया। शहर के भीतर बदमाशों ने एक के बाद एक दो सिलसिलेवार चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देकर पुलिस महकमें में हडकंप मचाकर रख दिया है,मामले में पीडित महिलाओं ने थाने पहुंचकर अपने साथ हुई वारदात की शिकायत दर्ज कराई है जिस पर पुलिस नें बदमाशों की पता तलाशी की शुरु कर दी है।

शासकीय स्कूल के हेड मास्टर का शराब के नशे में धुत होकर कक्षा में सोने का वीडियो वायरल

कलेक्टर ने कही कार्यवाही बात

रीवा। जिले के शासकीय स्कूल के एक शिक्षक की करतूत नें पूरे शिक्षा शिक्षा जगत को शर्मसार कर दिया है। स्कूल के जिन शिक्षक के कंधों पर छात्रों के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी होती है वहीं शिक्षक नसे के अंधकार में ढूबा हुआ है। जिले के एक शासकीय स्कूल के हेडमास्टर का नसे में धुत होकर क्लासरूम के अन्दर सोने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है।दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो शहरी क्षेत्र में ही संचालित प्राथमिक स्कूल बोदाबाग का है। वीडियो में एक शिक्षक शराब के नसे में धुत दिखाई दे रहे है,बताया जा रहा है कि नसे में धुत शिक्षक नें पहले छात्रों को क्लास से भगा दिया और फिर बच्चों के बैठने वाली टाटपटटी पर लेटकर सो गया। सोशल मीडिया में

वायरल वीडियो के आधार पर शिक्षक का नाम रमाकांत वर्मा बताया जा रहा है। वही शिक्षक की इन हरकतों से ना सिर्फ स्कूल के छात्र परेशान है बल्कि स्कूल की महिला शिक्षक भी परेशान है। शिक्षा के मंदिर में शिक्षक की इस करतूस से सवाल यह उठता है कि जब शिक्षक ही नसे ही चूर होकर स्कूल पहुंचते है, तो यहां पढने वाले बच्चों का भविस्य क्या होगा फिलहाल शिक्षक की करतूत का यह वीडियो अधिकारियों सहित जिला कलेक्टर के संज्ञान में आया है जिस पर कलेक्टर नें कार्यवाही की बात कही है।

इनका कहना है

यह वीडियो जो वायरल हो रहा है वह संज्ञान में आया है उसके हिसाब से कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यह गतिविधि गलत है उसके हिसाब से आगे भी इस तरह की दोबारा गतिविधि घटित ना हो उसके लिए भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रतिभा पाल, कलेक्टर रीवा।

आकांक्षी विकासखण्ड के 6 मानकों में तीन माह में संपूर्णता सुनिश्चित करें - कलेक्टर

आकांक्षी विकासखण्डों में विशेष अभियान का शुभारंभ आज

रीवा। देश भर में पाँच सौ विकासखण्डों को आकांक्षी विकासखण्ड योजना में शामिल किया गया है। इसमें रीवा जिले के सिरमौर और जवा विकासखण्ड शामिल हैं। इन विकासखण्डों में 30 सितम्बर तक संपूर्णता अभियान चलाकर निर्धारित 6 सूचकांकों में लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति की जाएगी। इसके लिए 6 जुलाई को सिरमौर विकासखण्ड में माड़ौ तथा जवा विकासखण्ड मुख्यालय में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में आकांक्षी विकासखण्डों में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ शिविरों में जाएं। आकांक्षी विकासखण्डों के लिए निर्धारित 6 मानकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण विकास विभाग के बिन्दु शामिल हैं। सभी बिन्दुओं पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित करके 30 सितम्बर तक संपूर्णता सुनिश्चित करें। शिविर में विकासखण्ड स्तरीय सभी अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि आकांक्षी विकासखण्डों में शिशुओं तथा गर्भवती महिलाओं की देखभाल, पूरक पोषण आहार के वितरण तथा संपूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त करें। शिविर में महिलाओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य जाँच की उचित व्यवस्था करें। अभियान के दौरान संपूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य पूरा करें। बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को सही समय पर टीके लगाना सुनिश्चित करें। इसका विवरण ऑनलाइन अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। महिला स्वसहायता समूहों

को सशक्त बनाने के लिए उन्हें चिन्हित गतिविधियों में ऋण और अनुदान देने के साथ बैकवर्ड तथा फारवर्ड लिंकेज का लाभ दें। सभी स्वसहायता समूहों को रिवाल्विंग फण्ड जारी कराएं। जिला प्रबंधक आजीविका मिशन, महिला स्वसहायता समूहों की प्रगति की मॉनीटरिंग कर हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। लगातार प्रयास करने पर ही स्वसहायता समूहों का सशक्तीकरण होगा। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन कराकर पूरक पोषण आहार का वितरण कराएं। शिशुओं के टीकाकरण तथा पोषण आहार वितरण की भी समुचित व्यवस्था करें। इसमें लापरवाही बरतने वालें के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। महिलाओं और बच्चों की उचित देखभाल होने तथा समय पर योजनाओं का लाभ मिलने पर ही मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगी। जिला शिक्षा अधिकारी आकांक्षी विकासखण्डों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शाला जाने योग्य बच्चों का शत-प्रतिशत प्रवेश तथा स्कूलों में पेयजल, बिजली, शौचालय आदि मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उप संचालक कृषि खेती में सुधार के लिए किसानों को उन्नत बीज वितरित कराएं। आकांक्षी विकासखण्ड के सभी किसानों के खेतों की मिट्टी का परीक्षण कराकर उन्हें स्वाइल हेल्थ कार्ड प्रदान करें। प्रत्येक किसान को अभियान चलाकर स्वाइल हेल्थ कार्ड प्रदान करें। पूरे विन्ध्य क्षेत्र में मिट्टी में जिंक और फास्फोरस की कमी है। किसानों को प्रति हेक्टयेर 25 किलोग्राम जिंक और फास्फेट के उपयोग के लिए प्रेरित करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे ने कहा कि 6 जुलाई को माड़ौ में पंचायत भवन तथा जवा जनपद कार्यालय में शिविर लगाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल टीम तैनात करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के सहयोग से शिविरों के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। आकांक्षी विकासखण्डों के निर्धारित सूचकांकों की जानकारी हर माह अपडेट करें। आकांक्षी विकासखण्डों की गतिविधियों की नीति आयोग द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जा रही है। बैठक में एसडीएम सिरमौर आरके सिन्हा, एसडीएम जवा पीयूष भट्ट, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, जिला प्रबंधक आजाविका परियोजना तथा सभी खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

टीआरएस कालेज और एमएस गोलवरकर कालेज में परिवहन विभाग ने लगाया लर्निंग लाइसेंस शिविर

रीवा । परिवहन विभाग द्वारा शासन की मंशानुशार लगातार लर्निंग लाइसेंस शिविरो का आयोजन कालेजो में किया जा रहा है। जिसमें शुक्रवार को ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय और न्यू साइंस कालेज र में जाकर,परिवहन विभाग द्वारा कालेज में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए लाइसेंस के शिविर लगाये गये।जिसमें मुख्यतः इस बात का विशेष प्रशिक्षण दिया गया कि सभी छात्र/छात्राए अपने से बिना परिवहन कार्यालय गये फ्रेसलेस लार्निग लाइसेंस बना सके। जिसके लिये परिवहन विभाग ने विशेष रूप से प्रशिक्षित सुखिनन्द और सचिन सोनी से बच्चों को प्रशिक्षण दिलाया और दोनों महाविद्यालयों में बच्चो के लाइसेंस बनाकर कालेजो के प्राचार्य के हाथों छात्रो को प्रदाय किए गए और परिवहन सुरक्षा स्क्वाड के कर्मचारियों द्वारा छात्रों को सड़क सुरक्षा के संबंध में लाइसेंस हेलमेट और यातायात के नियमों की जानकारी साझा की।

ग्राम पंचायत साखी में पीएम सिचाई योजना के तहत बीच सड़क में गड्ढा खोदे जाने से लोगों का अवागमन व पैदल चलना हो गया मुश्किल

देशी जुगाड़ से गढ्ढा में लकड़ी डाल बच्चों पार कर रहे हैं सड़क।

ब्योहारी। ब्योहारी जंनपद पंचायत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत साखी में प्रधानमंत्री ग्रामीण सिचाई योजना के तहत गांव में खेत तक सिचाई के लिए बरसात पूर्व पाईप लाइन बिछाई गयी जहाँ की कही कही बीच सड़क से क्रासिग के लिए बीच सड़क को खोद कर पाइप लाईन बिछाई गयी वहाँ गढ्ढा भराव नहीं किया गया है जिसके कारण सड़क से लोगों का आवागमन बाधित हो गया है।

ग्रामीण अंचल के लोगों का कहना कि ठेकेदार के द्वारा प्रधानमंत्री सिचाई योजना के तहत सिचाई के लिए बिछाई पाईप लाइन में लापरवाही देखी गई जैसा पक्की सड़क को खोद पाईप लाइन बिछा दिया लेकिन शासन के ले आउट के हिसाब से सड़क का भराव नहीं किया जिसके कारण बहुत गाँव प्रभावित हो रहें जैसा कि आखेटपुर, खरपा, देवराँव, सरवाही, बोचरों के साथ ग्राम साखी के स्कूल के लिए आने जाने वाले छोटे छोटे नन्हें मुन्ने बच्चों को वर्तमान गढ्ढा पार कर आना पड़ता हैं अचानक बच्चों का पैर पिसल जाएँ तो अनहोनी दुर्घटना घट सकती हैं साथ ही पैदल चल रहे राहगीर से चूकि हुई तो क्या होगा। क्या प्रशासन जिम्मेदार या जवाब देही होगा और वाहन, बाईक तो चालू हाल कोई वाहन निकलना नामुमकिन जैसा कि छाया चित्र स्कूल मिनी बस गढ्ढा पीछे खडी और बच्चे जाने गडढे के उधर खडे है इससे साफ दिखाई देता की पाईप लाइन बिछने ठेकेदार कि लापरवाही देखी जा सकती हैं प्रशासन से अप्रेक्षा कि कोई अप्रिय घटना घटनें से पहले ही ठोस कदम उठाने चाहिए और ठेकेदार के ऊपर कार्यवाही कर अप्रिय घटना से लोगों बचानें प्रयास अतिशीघ्र करना चाहिए।

खबर संक्षेप

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा के किये दर्शन

अमरकंटक। केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू (शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार) ने अमरकंटक पहुंच मां नर्मदा के दर्शन कर कल्याण सेवा आश्रम में स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज का आर्शीवाद प्राप्त किया। मंत्री का स्वागत स्वामी धमार्नंद जी महाराज, स्वामी हर स्वरुप जी महाराज, स्वामी सुंदरानंद जी महाराज ने किया। अपने अल्प प्रवास पर अमरकंटक आये केंद्रीय राज्यमंत्री ने सर्वप्रथम माता नर्मदा मंदिर पहुंचकर पूजन किया देश की खुशहाली के लिए आशीर्वाद माँगा। इसके पश्चात बाबा कल्याण दास के आश्रम पहुँचकर स्वामी हिमाद्रि मुनि जी महाराज से आर्शीवाद ग्रहण किया एवं अमरकंटक के विषय में जानकारी प्राप्त की उनके साथ अन्य गणमान्य नागरिक प्रमुख रूप से गोपाल, अमित मेठवानी एवं भाजपा नेता वरिष्ठ नागरिक एवं पत्रकार उमाशंकर पाण्डेय उपस्थित रहे।

कमिश्नर, एडीजीपी एवं कलेक्टर ने ग्राम छातापटपर में किया पौधारोपण

अनूपपुर। कमिश्नर शहडोल संभाग बीएस जामोद, एडीजीपी शहडोल जोन डीसी सागर, कलेक्टर अनूपपुर आशीष वशिष्ठ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत अनूपपुर जिले के जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत छातापटपर में ग्रामीणों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इस दौरान कमिश्नर ने ग्रामीणों से चर्चा भी की तथा ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि हमें पर्यावरण को बचाना चाहिए। मानव स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण का संरक्षण अति आवश्यक है। कमिश्नर ने ग्रामीणों से कहा कि आप भी ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए एवं अपने परिवार, समाज एवं दोस्तों को भी पौधारोपण करने हेतु प्रेरित करें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेंद्र पवार, अपर कलेक्टर अनूपपुर अमन वैष्णव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश ने भी पौधारोपण किया।

कमिश्नर एडीजीपी एवं कलेक्टर ने किया नुक्कड़ नाटक

अनूपपुर। कमिश्नर शहडोल संभाग बीएस जामोद, एडीजीपी शहडोल जोन डीसी सागर, कलेक्टर अनूपपुर आशीष वशिष्ठ ने आज अनूपपुर जिले के जैतहरी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत छाता पटपर में ग्रामीणों को लागू हुए तीन नए कानून की जानकारी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र पवार, अपर कलेक्टर अनूपपुर अमन वैष्णव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनूपपुर तन्मय वशिष्ठ शर्मा, संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश ने भी नुक्कड़ नाटक में अभिनय कर ग्रामीणों को लागू हुए नए कानूनों के बारे में जानकारी दी।

महंगाई का डबल अटैक

मौसम व महंगाई ने बिगाड़ा किचन

महंगाई के बीच टमाटर हुआ लाल, क्या खायें बाल गोपाल हरी सब्जियों और टमाटर के दाम 80 के पार, आगे और बढ़ेगी परेशानी

फिलहाल दाम कम होने के आसार नहीं

अनूपपुर। बारिश का सीजन शुरू होते ही सब्जियों के दाम सातवें आसमान पर है। स्थानीय सब्जी बाजार में टमाटर इन दिनों अपनी दामों के चलते आम लोगों की पहुंच से दूर होते जा रहा है। इन दिनों टमाटर बाजार में 80 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। यह दाम लोगों के लिए महंगाई का डबल अटैक की तरह है।लगातार बढ़ते सब्जियों के कीमत आने वाले दिनों में भी कम नहीं होने के आसार नहीं है। सब्जी बाजार में छह माह से अधिक समय से 20 से 30 रुपए प्रति किलो बिकने वाला टमाटर 80 रुपये किलो तक पहुंच गया है, वहीं गोभी भी 80 रुपए किलो बिक रहा है। जिले के हाट बाजारों से लेकर शहर की सब्जी मंडियों में इन दिनों लोकल सब्जियों की आवक नहीं के बराबर बनी हुई है। यहां की लोकल आवक अधिक होने से सब्जियों के दाम कम होते हैं लेकिन जिले के लोकल बाड़ियों में सब्जियां खराब होने से स्थानीय सब्जियों की आवक नहीं हो रही है।

फिलहाल दाम कम होने के आसार नहीं

बाजार के एक सब्जी व्यवसायी ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक सब्जियों के दाम कम होने वाले नहीं हैं। यही वजह है कि लोगों को हरी सब्जियां महंगी कीमत पर ही खरीदनी पड़ेंगी। प्याज, खीरा, नींबू व टमाटर के बढ़े भाव ने तो थाली से सलाद ही गायब कर दिया। अमूमन सब्जी के साथ तड़का लगाने के लिए मिलने वाले धनिये का भाव तो सिर चढकऱ बोल रहा है कि लोग भाव पूछकर ही आगे बढ़ रहे हैं। इस महंगाई की रेस में आलू भी पीछे नहीं है। आलू का दाम 35 से 40 पहुंच गया है।

सब्जी खरीदना हो रहा मुश्किल

सब्जियों के दाम लगातार बढ़ने से घर की रसोई का बजट बिगड़ गया है। शहर के सुखलाल सिंह का कहना है कि हरी सब्जियों के बढ़ते दामों ने खाने का स्वाद बिगाड़ दिया है। टमाटर से लेकर गोभी तक की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। ऐसे में सब्जी खरीदना मुश्किल हो रहा है। टमाटर का दाम बाजार में 80 से 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। ऐसे में सब्जी के साथ सलाद भी थाली से गायब हो गया। बढ़ती महंगाई व सब्जी की कीमतों में भारी उछाल ने खाने की थाली का स्वाद बिगाड़ कर रख दिया है।

सब्जियों की कीमत एक नजर

टमाटर 80- 100 रुपये प्रति किलो गोभी 60- 80 रुपये प्रति किलो पत्ता गोभी 40-50 रुपये प्रति किलो हरी मिर्च 80-120 रुपये प्रति हरा धनिया 150- 300 रुपये प्रति किलो खीरा 40-50 रुपये प्रति किलो लौकी 40-50 रुपये प्रति किलो आलू 35-40 रुपये प्रति किलो

रेसीपी में केचअप व सॉस हुए शामिल

गृहणियां टमाटर की बजाए अब टोमेटो केचअप व टोमेटो सास का उपयोग किचन में कर रही हैं। इनका कहना है कि इससे टमाटर की कमी महसूस नहीं हो रही है। टमाटर सहित अन्य सब्जियों की बढ़ती कीमत पर लगाम लगाने प्रशासन पहल नहीं कर रहा है। अदरक, धनिया, मिर्ची, गोभी सहित करेला सभी के दाम आसमान पर है।

चला स्कूली वाहनों का चेकिंग अभियान

38 स्कूल वाहनों की हुई जांच, 10 पर कार्रवाई कर 22 हजार का वसूला जुर्माना

अनूपपुर। जिला मुख्यालय में स्कूली वाहन चेकिंग सघन जांच में 38 वाहन चेक किए गए, जिसमे 10 वाहनों में कमी पाए जाने पर चालानी कार्रवाई कर 22000 का जुर्माना लगाया गया। वहीं स्कूल में अटैच गीतांजलि बस सर्विस की बस का परमिट न होने पर 10,000 का चालान काटा गया। दो वाहन बिना बीमा पाए पर चालानी कार्रवाई करते हुए 6000 का जुर्माना लगाया गया। सभी वाहन चालको एवं स्कूल प्रबंधन को स्कूली वाहनों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार सुरक्षा मापदंडों को शीघ्र पूर्ण करने की हिदायत दी गई। यातायात प्रभारी ज्योति दुबे ने बताया कि 5 जुलाई को पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवांर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी अनूपपुर सुरेंद्र सिंह गौतम एवं यातायात की संयुक्त टीम द्वारा जांच में दौरान वाहनों के दस्तावेज फिटनेस, परमिट बीमा, प्रदूषण कार्ड, ड्राइवर का ड्राइविंग लाइसेंस एवं बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम जैसे अग्निशमन यंत्र, सीसीटीव्ही कैमरे, स्कूल वाहन की खिड़कियों में लगी ग्रिल आदि की जांच की गई जांच में 38 वाहन चेक किए गए, जिसमे 10 वाहनों में कमी पाए जाने पर चालानी कार्रवाई कर 22000 का जुर्माना लगाया गया।

बिना परमिट बस पर हुई चालानी कार्रवाई

बेथेल पब्लिक स्कूल में अटैच गीतांजलि बस सर्विस की बस का परमिट न होने पर 10,000 का चालान काटा गया। महर्षि एंग्लो हायर सेकेंडरी स्कूल के वाहन चेक करने पर दो ओमनी वाहन बिना बीमा पाए गए, जिन पर चालानी कार्रवाई करते हुए 6000 का जुर्माना लगाया गया। वहीं एक वाहन में फिटनेस, बीमा एवं परमिट न होने पर जप्त किया गया। अग्निशमन यंत्र एवं फर्स्ट एड बॉक्स ना होने पर 10 वाहनों पर की गई चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई में एएसआई आनंद तिवारी, प्रधान आरक्षक जितेंद्र नरवरिया, प्रधान आरक्षक सुखसेन कोल, आरक्षक दिलीप एवं गणेश उपस्थित रहे।

कार्ययोजना बनाकर विद्यार्थियों को दें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-कलेक्टर

लापरवाही पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की चेतावनी

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में विशिष्ट शैक्षणिक संस्थानों के परीक्षा परिणाम एवं बजट की स्थिति की समीक्षा के दौरान कहा कि विशिष्ट शैक्षणिक संस्थानों के परीक्षा परिणाम सकारात्मक आने चाहिए। इसके लिए कार्ययोजना बनाकर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने विशेष कोचिंग की व्यवस्था विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिससे विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सके। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री सरिता नायक, जिले के चारो विकासखण्डों के खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा विशिष्ट शैक्षणिक संस्थाओं एकलव्य, कन्या शिक्षा परिसर, मॉडल स्कूल, पीएम श्री तथा सीएम राईज स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने प्राचार्यों को विद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर समन्वय, प्रबंधन के निर्देश दिए। उन्होंने विशिष्ट शैक्षणिक संस्थाओं के बजट की स्थिति की समीक्षा तथा विद्यालय में क्रय की गई सामग्रियों की जानकारी प्राचार्यों से प्राप्त की। प्राचार्यों ने अवगत कराया कि विद्यालय में बेहतर शिक्षण व्यवस्था हेतु विभिन्न उपकरण एवं शिक्षण संबंधी सामग्री क्रय की गई है। बैठक में कलेक्टर ने एमपीटास पोर्टल में लंबित छात्रवृत्ति प्रकरणों के निराकरण करने संबंधी विद्यार्थियों के लंबित प्रोफाईल वर्क की पूर्णता के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों के प्रोफाईल अपडेट हैं तथा छात्रवृत्ति की स्वीकृति के पश्चात भी लंबित स्थिति है, उसे 100 प्रतिशत निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रोफाईल संबंधी कार्य आगामी तीन दिवस में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही होने पर संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने प्राचार्यों से विद्यालयों के शैक्षणिक व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा समय-समय पर शैक्षणिक स्तर का जायजा लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर से भी शैक्षणिक व्यवस्था की मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त को निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों के परीक्षा परिणाम आशा अनुकूल नही रहे हैं उनकी सख्त मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पखवाड़े इन विद्यालयों के प्राचार्यों से शैक्षणिक व्यवस्था की जानकारी ली जाए। कलेक्टर ने प्राचार्यों को प्रत्येक 15 दिवस में शिक्षक एवं विद्यार्थियों से पठन-पाठन के संबंध में समीक्षा करने तथा उनकी समस्याओं के निराकरण संबंधी निर्देश दिए।

जन्म-मृत्यु पंजीयन पोर्टल के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

अनूपपुर। जन्म मृत्यु संशोधन अधिनियम 2023 एवं सीआरएस रेवा एमपी पोर्टल विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में आयोजित किया गया। निदेशक, जनगणना कार्यालय एवं जन्म मृत्यु पंजीयन के संयुक्त संचालक व मास्टर ट्रेनर आर. पटेल ने प्रशिक्षण में जानकारी देते हुए जन्म-मृत्यु संशोधन अधिनियम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में जिला योजना अधिकारी एवं जन्म-मृत्यु पंजीयन कार्य करने वाली इकाईयों शासकीय चिकित्सा संस्थाओं, नगरीय निकायों, ग्रामीण निकायों के रजिस्ट्रार व डाटा एन्ट्री ऑपरेटर मौजूद रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि अधिनियम लागू होने वाली 11 अगस्त 2023 के बाद जन्म लिए बच्चों का जन्म-प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। जो बच्चे से संबंधित बनाए जाने वाले अन्य दस्तावेजों जैसे आधार, पैन, स्कूल में प्रवेश मतदाता सूची का अद्यतन ड्राइविंग लाइसेंस, सरकारी नौकरियों में ज्वाइनिंग एवं अन्य नागरिक सुविधाओं को प्राप्त करने का एक मात्र प्रमाण पत्र होगा। चिकित्सा संस्थानों में हुई प्रत्येक मृत्यु के कारणों का चिकित्सीय प्रमाणीकरण संबंधित संस्थान के चिकित्सक द्वारा दिया जाना अनिवार्य होगा। इसकी एक प्रति संबंधित रजिस्ट्रार एवं दूसरी प्रति निकटतम संबंधी को निःशुल्क दी जाएगी। प्रशिक्षण में बताया गया कि रेवा एमपी पोर्टल में आम नागरिकों द्वारा मोबाइल ओटीपी के माध्यम से जन्म मृत्यु की सूचना, घटित घटना के स्थान से संबंधित जानकारी रजिस्ट्रार को ऑनलाइन प्रेषित की जा सकेगी एवं रजिस्ट्रार द्वारा सत्यापन कर प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा, जो सूचनादाता द्वारा दी गई ईमेल आईडी पर प्राप्त हो जायेगा, जिसे डाउनलोड किया जा सकेगा।

सेवा कुटीरों में अध्ययनरत विशिष्ट आवासीय विद्यालयों के लिए 47 बच्चों का किया चयन

चयनित बच्चे विद्यालयों में रहकर करेंगे आगे की पढ़ाई

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित प्रदेश के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु हुई परीक्षा के परिणाम बुधवार को घोषित किए गए। इन परीक्षा परिणामों में परिवार संस्था द्वारा जिले में संचालित सेवा कुटीरों में अध्ययनरत 47 आदिवासी बच्चों का चयन हुआ। ये बच्चे जिले के एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर तथा आदर्श विद्यालयों में रहकर आगे की पढ़ाई करेंगे। परिवार संस्था के द्वारा इन बच्चों को इस प्रवेश परीक्षा के लिए विशेष रूप से तैयारी करवाई गई तथा परीक्षा के लिए आवेदन करने से लेकर परीक्षा देने तक बच्चों तथा उनके परिजनों का सहयोग किया गया। संस्था द्वारा इन चयनित बच्चों के सम्बंधित विद्यालयों में प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेज एकत्रित करवाने तथा विद्यालय जाकर प्रवेश सुनिश्चित करने का कार्य आरम्भ कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि परिवार एजुकेशन सोसायटी एक समाजसेवी संस्था है, जिसकी स्थापना आईआईटी-आईआईएम से शिक्षित विनायक लोहानी द्वारा वर्ष 2003 में की गई थी। संस्था द्वारा मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में शिक्षा, पोषण तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। अनूपपुर जिले में संस्था द्वारा 38 गाँवों में सेवा कुटीर के माध्यम से बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा पोषण युक्त आहार दिया जा रहा है। संस्था द्वारा जिले में 2 निःशुल्क एम्बुलेंस तथा 1 निशुल्क मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित किए जा रहे हैं तथा नेत्र शिविर के माध्यम से लोगों की आँखों के निःशुल्क ऑपरेशन भी किए जा रहे हैं।

छात्रावासों की रैंकिंग टॉप 10 में लाने का करें समन्वित प्रयास-कलेक्टर

छात्रावास के व्यवस्थाओं की समीक्षा कर कलेक्टर ने अधीक्षकों को दिए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने छात्रावास अधीक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्रावासों को टॉप 10 रैंकिंग में लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि छात्रावास में सभी विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मुहैया कराएं। विद्यार्थियों को छात्रावास में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े इसका भी छात्रावास अधीक्षक विशेष ध्यान दें। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ शुक्रवार 5 जुलाई को कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में छात्रावास अधीक्षकों की बैठक लेकर निर्देशित कर रहे थे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक महेन्द्र यादव सहित सर्व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांग छात्रावास में दिव्यांग विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु 15 जुलाई को कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। जिसमें विभिन्न गतिविधियां आयोजित किया जाए तथा कार्यक्रम में दिव्यांग विद्यार्थियों को उपहार भी वितरण किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने छात्रावास में प्रवेश की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। जिस पर छात्रावास अधीक्षकों ने बताया कि छात्रावास में शत-प्रतिशत सीट भर चुके हैं। बैठक में कलेक्टर ने सभी छात्रावासों के वर्ष 2023-24 में परीक्षा की ग्रेडिंग की भी समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने छात्रावासों को सर्व सुविधायुक्त बनाने के भी निर्देश दिए तथा छात्रावास में नए गद्दे, चादर इत्यादि क्रय कर विद्यार्थियों को मुहैया करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षकों से कहा कि छात्रावास बजट का सदुपयोग कर बेहतर सुविधाएं मुहैया कराएं। बैठक में कलेक्टर ने छात्रावास के मरम्मत कार्य एवं सामग्री की भी जानकारी छात्रावास अधीक्षकों से प्राप्त की। बैठक में कलेक्टर ने छात्रावासों के रैंकिंग सुधार हेतु शासन द्वारा निर्धारित पैरामीटर के अनुसार छात्रावास अधीक्षकों को आज प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी बीआरसी को उनके क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छात्रावासों का समय-समय पर निरीक्षण कर शासन के जारी पैरामीटर के अनुसार छात्रावास के गुणवत्ता एवं सुविधाओं की स्थिति के बारे में अवगत कराने के निर्देश दिए।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की कलेक्टर जिपं. सीईओ ने की समीक्षा

अनूपपुर। जिले के आकांक्षी ब्लॉक पुष्पराजगढ़ में निर्धारित पैरामीटर अनुसार स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, कृषि, आजीविका मिशन के कार्यों की कलेक्टर आशीष वशिष्ठ तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की जांच, कृषि विभाग द्वारा स्वाईल हेल्थ कार्ड के वितरण, महिला बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण की दर और इससे पूर्ण निजात के लिए किए जा रहे कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में महिला बाल विकास, आजीविका मिशन, स्वास्थ्य, कृषि एवं योजना, आर्थिक व सांख्यिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आकांक्षी ब्लॉक पुष्पराजगढ़ में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना में शामिल आकांक्षी ब्लॉक की अवधारणा के सभी पैरामीटर पर शत-प्रतिशत कार्य समय पर सुनिश्चित किए जांए तथा पोर्टल पर जानकारी को अद्यतन किया जाए। उन्होंने कहा कि आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा सामाजिक, आर्थिक विकास हेतु क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि इस कार्य की उच्च स्तरीय मॉनीटरिंग की जाती है। उन्होंने स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि, आजीविका संवर्धन की दिशा में विभागों को प्रभावी कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दस्तक अभियान के अंतर्गत शेष बचे पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत 6 पैरामीटर में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी विभागीय अधिकारियों से प्राप्त करते हुए नीति आयोग के निर्देशानुसार डाटा फीडिंग के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों के प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्टिंग के संबंध में निर्देश दिए।